Gyanvividha, Vol.-2; Issue-4 (Oct.-Dec.) 2025 : PP-413-418

ज्ञानविविधा

कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान की सहकर्मी-समीक्षित, मूल्यांकित, त्रैमासिक शोध पत्रिका

ISSN : 3048-4537(Online)
3049-2327(Print)
IIFS Impact Factor-2.25
Vol.-2; Issue-4 (Oct.-Dec.) 2025
Page No.- 413-418
©2025 Gyanvividha
https://journal.gyanvividha.com

Author's :

1. फरहा नाज

शोधार्थी (मनोविज्ञान), ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, कामेश्वरनगर, दरभंगा, बिहार.

2. डॉ. अमरनाथ प्रसाद

विभागाध्यक्ष (मनोविज्ञान विभाग),
कुंवर सिंह महाविद्यालय, दरभंगा, (बिहार).

Corresponding Author :

फरहा नाज

शोधार्थी (मनोविज्ञान), ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, कामेश्वरनगर, दरभंगा, बिहार.

व्यक्तियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पूर्वाग्रह की मनोवृत्ति के प्रभाव का अध्ययन

शोध–सारांश : वर्तमान शोध का मुख्य उद्देश्य व्यक्तियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पूर्वाग्रह की मनोवृत्ति के प्रभाव का अध्ययन करना था। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए बिहार राज्य के दरभंगा जिला क्षेत्र से कुल 300 व्यक्तियों का चयन उत्तरदाता के रूप में किया गया। शोध में चयनित उत्तरदाताओं की उम्र सीमा 25 वर्ष से लेकर 35 वर्ष (औसत उम्र 30 वर्ष) थी। जी०पी० ठाकुर एवं ए० कुमार द्वारा विकसित मानसिक स्वास्थ्य मापनी भारद्वाज एवं शर्मा द्वारा विकसित पूर्वाग्रह मापनी एवं स्वयं द्वारा विकसित व्यक्तिगत सूचना–प्रपत्र के माध्यम से संगत सूचनाओं का संग्रहण किया गया। संग्रहित किए गए सूचनाओं के सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर परिणाम तैयार किया गया। शोध में प्राप्त किए गए परिणाम में पाया गया कि पूर्वाग्रह की अवधारणा व्यक्ति में अहं केन्द्रिकता एवं अलगाव की भावना को बढ़ाती है, जबकि अभिव्यक्ति की भावना को कम करती है। इसके अलावे पूर्वाग्रह की भावना व्यक्ति में सांवेगिक अस्थिरता को बढ़ाती है और समाज में प्रचलित प्रति सामाजिक व्यवहार के प्रति पालन की प्रवृत्ति को कम करती है।

शब्द कुंजी : व्यक्तियों, मानसिक, स्वास्थ्य, पूर्वाग्रह, मनोवृत्ति, प्रभाव, अध्ययन।

परिचय : मानसिक स्वास्थ्य मानसिक कल्याण की एक ऐसी स्थिति है, जो लोगों को जीवन के तनावों से मुक्ति दिलाने, अपनी क्षमताओं को पहचानने, अच्छे ढंग से काम करने, परिवार समाज एवं समुदाय में सकारात्मक रूप से योगदान देने के सक्षम बनाती है। मानसिक स्वास्थ्य प्रत्येक मनुष्य का विशेषाधिकार है, जिससे उसकी सार्थकता सिद्ध होती है।

मानसिक स्वास्थ्य विभिन्न लोगों में अलग–अलग ढंग से प्रतिक्रिया का अनुभव कराती है। किसी समय में अथवा वातावरण में व्यक्ति दूसरों के साथ किए जानेवाले अन्तःक्रियात्मक व्यवहार उसके मानसिक स्वास्थ्य के स्तर को प्रकट करता है। अतः मानसिक स्वास्थ्य प्रत्येक मनुष्य के लिए आवश्यक होता है।

व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य अनेक कारकों पर निर्भर करता है, जैसे व्यक्ति का पोषण स्तर, शारीरिक स्वास्थ्य का स्तर, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत विशेषताएँ एवं शिक्षा सम्मिलित रूप से मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

प्रस्तुत शोध में मानसिक स्वास्थ्य को एक आश्रित चर के रूप में रखा गया है। मानसिक स्वास्थ्य के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की बिमाओं जैसे अहं केन्द्रिकता, अलगाववादी,

अभिव्यक्ति, सांवेगिक अस्थिरता एवं सामाजिक अवज्ञा एवं कुल स्तर के मानसिक स्वास्थ्य स्तर का अध्ययन किया गया है।

पूर्वाग्रह एक ऐसी अवधारणा है, जो बिना किसी आधार अथवा प्रमाण के व्यक्ति के मानसिक स्तर में सृजित होती है। हमारे समुदाय अथवा समाज के अंदर अलगाववाद एवं नकारात्मकता का जो रूप होता है। वह विभिन्न कारणों से निर्मित्त होती है। इस तरह पूर्वाग्रह समाज के अंदर के व्यक्तियों को भिन्नात्मक रूप से प्रभावित करती है। पूर्वाग्रह का स्वरूप हमेशा अचेतन होता है एवं अपरिवर्त्तनीय होता है।

हम अपने समाज के अंतर्गत पूर्वाग्रह के अनेक रूप पाते हैं। जैसे–जातीय पूर्वाग्रह, लिंग पूर्वाग्रह, धार्मिक पूर्वाग्रह, यौन पूर्वाग्रह इत्यादि। पूर्वाग्रह का स्वरूप चाहे जो भी हो वह हमारे सामाजिक वातावरण में सकारात्मकता का निर्माण नहीं कर सकती है।

प्रस्तुत शोध में पूर्वाग्रह को स्वतंत्र चर के रूप में रखा गया है। जबकि मानसिक स्वास्थ्य को आश्रित चर के रूप में रखा गया है। इस संदर्भ में शोधार्थी की विचारधारा है कि, पूर्वाग्रह निश्चित रूप से व्यक्तियों के मानसिक स्वास्थ्य को निश्चित रूप से प्रभावित करती है। यदि व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य पूर्वाग्रह से प्रभावित होता है, तो व्यक्ति के व्यक्तित्व को विघटित होने की संभावना बढ़ जाती है। अतः पूर्वाग्रह की अवधारणा को कम करना एवं मानसिक स्वास्थ्य को उन्नत बनाना प्रस्तुत शोध का मुख्य आधार है।

पूर्व के अध्ययनों की समीक्षाएँ : इस शोध में शोध कार्य में मानकता लाने एवं सही दिशा में शोध कार्य करने के लिए पूर्व में किए गए शोध शीर्षक आधारित कुछ अध्ययनों का अवलोकन भी किया गया है।

फेज एवं क्रोह (2011) ने पूर्वाग्रह आधारित कथन के छिपी हुई स्वरूप का अन्वेषणात्मक अध्ययन किया है और प्रतिफल के रूप में पाया है कि, व्यक्ति की आन्तरिक प्रेरणा में वृद्धि और बाहरी प्रेरणा में कमी लोगों के पूर्वाग्रह पर सार्थक प्रभाव डालती है।

सिद्दिकी (2011) ने विभेदीकरण आधारित जाति पूर्वाग्रह का अध्ययन किया है और परिणाम में बताया है कि जाति आधारित पूर्वधारणा व्यक्ति में विभेदीकरण को सृजित करती है। इसके अलावे उन्होंने विभेदीकरण की प्रवृत्ति में व्यक्तिगत कारकों का भी हाथ पाया है।

जानी इत्यादि (2011) ने भारत में मानसिक बीमारी की देख–रेख से संबंधित एक अध्ययन के आधार पर परामर्शित किया है कि मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति के सही रूप से देख–रेख में उसको प्रभावित करनेवाले कारकों की सार्थक भूमिका होती है।

अहमद (2017) ने मुस्लिम विरोधी पूर्वधारणा और समाचार–पत्र, फिल्म एवं जनसंचार का शोध आधारित कार्य के आधार पर कहा है कि, विभिन्न प्रकार की समाचार पत्रों, जनसंचार माध्यमों एवं फिल्म का निष्कर्ष मुस्लिम विरोधी पूर्व धारणा के निर्मित्त होने में सार्थक भूमिका निभाती है।

समुदाय आधारित मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित एक अध्ययन के आधार पर हंस इत्यादि (2021) ने जानकारी दी है कि, भविष्यगत मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए समुदाय आधारित मानसिक–स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम आवश्यक होती है।

हंग इत्यादि (2023) ने मानवीय पूर्वाग्रह से संबंधित एक सर्वेक्षणात्मक अध्ययन के आधार पर परामर्शित किया है कि गलत सूचनाओं के विसरण पर मानवीय पूर्वाग्रह सकारात्मक प्रभाव डालता है और साथ हीं संवेगात्मक अनुक्रिया और नैतिक विश्वास पर भी सार्थक प्रभाव डालता है।

शाही (2024) ने पूर्वाग्रह एवं मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित शोध परिणाम में जानकारी दी है, कि मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तियों की पूर्वाग्रह आधारित अवधारणा पर निर्भर करती है।

पाल (2024) ने समाज मनोवैज्ञानिक संरचना के रूप में जाति से संबंधित क्षेत्र अध्ययन के आधार पर जानकारी दी है कि जाति आधारित अवधारणा सामाजिक रचना को निर्धारित करती है। इसमें उन्होंने जाति आधारित मनोवृत्ति के स्वरूप पर सामाजिक संरचना के स्वरूप को आश्रित होते पाया है।

त्रिपाठी इत्यादि (2025) ने भारत में बच्चों के बीच पूर्वाग्रह एवं धार्मिक जागरूकता का सर्वेक्षणात्मक अध्ययन किया है और परामर्शित किया है कि बच्चों में धार्मिक जागरूकता का इसके पूर्वधारणा पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

सुरेश एवं अहमद (2025) ने उच्च शिक्षा की तैयारी करनेवाले युवा व्यस्कों में मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन किया है और परामर्शित किया है कि लड़कियों की अपेक्षा लड़कों में मानसिक स्वास्थ्य का स्तर अच्छा होता है जबकि मनोवैज्ञानिक अच्छाई का स्तर निम्न होता है।

शोध का उद्देश्य : इस शोध का मुख्य उद्देश्य व्यक्तियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पूर्वाग्रह की अवधारणा के प्रभाव का अध्ययन करना था। इस शोध में पूर्वाग्रह स्वतंत्र चर है और मानसिक स्वास्थ्य आश्रित चर है।

परिकल्पनाएँ :

(i) उत्तरदाताओं के आत्मकेन्द्रिक विशेषता पर पूर्वाग्रह का सकारात्मक प्रभाव होगा।

(ii) पूर्वाग्रहग्रसित उत्तरदाताओं में अलगाववादी प्रवृत्ति अधिक होगी जबकि पूर्वाग्रहरहित उत्तरदाताओं में अलगाववादी प्रवृत्ति कम होगी।

(iii) पूर्वाग्रहग्रसित एवं पूर्वाग्रहरहित उत्तरदाताओं के अभिव्यक्ति की विशेषता में सार्थक भिन्नता होगी।

(iv) सांवेगिक अस्थिरता की दृष्टि से पूर्वाग्रहग्रसित एवं पूर्वाग्रहरहित उत्तरदाताओं के बीच सार्थक भिन्नता होगी।

(v) उत्तरदाताओं के सामाजिक अवज्ञा आधारित विशेषता पर पूर्वाग्रह की मनोवृत्ति का सार्थक प्रभाव होगा।

(vi) उत्तरदाताओं के मानसिक स्वास्थ्य पर पूर्वाग्रह की अवधारणा का नकारात्मक प्रभाव होगा।

प्रविधि :

(I) प्रतिदर्श : प्रस्तुत शोध में दरभंगा (बिहार राज्य) जिला क्षेत्र से कुल 300 व्यक्तियों का चयन उद्देश्यात्मक चयन पद्धति के आधार पर उत्तरदाता के रूप में किया गया। चयनित उत्तरदाताओं की उम्र सीमा 25 वर्ष से 35 वर्ष (औसत उम्र 30 वर्ष) थी। सभी उत्तरदाताएँ शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ थे।

(II) मापनियाँ :

(a) पूर्वाग्रह मापनी : उत्तरदाताओं के संबंध में पूर्वाग्रह के स्तर की जानकारी के लिए भारद्वाज एवं शर्मा के द्वारा विकसित पूर्वाग्रह मापनी का प्रयोग किया गया। इस मापनी में कुल 36 एकांशों को सम्मिलित किया गया है। मापनी पर उत्तरदाताओं के द्वारा प्राप्त अधिकतम अंक पूर्वाग्रह उन्मुखी एवं निम्नतम अंक पूर्वाग्रह विमुखी प्रवृत्ति को इंगित करता है। यह मापनी वर्त्तमान परिपेक्ष्य में व्यक्तियों में पूर्वाग्रह की अवधारणा की जानकारी के लिए काफी उपयुक्त, वैध, विश्वसनीय एवं वास्तविक मापनी है।

(b) मानसिक स्वास्थ्य मापनी : उत्तरदाताओं के संबंध में मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी के लिए ठाकुर एवं कुमार द्वारा विकसित मानसिक स्वास्थ्य मापनी का प्रयोग किया गया। इस मापनी में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों जैसे–अहं केन्द्रिकता, अलगाव, अभिव्यक्ति, सांवेगिक अस्थिरता एवं सामाजिक अवज्ञा से संबंधित कुल 50 एकांशों को सम्मिलित किया गया है। मापनी में उत्तरदाताओं के द्वारा प्राप्त अधिकतम अंक निम्न मानसिक स्वास्थ्य एवं निम्नतम अंक बेहतर मानसिक स्वास्थ्य को सूचित करता है। यह मापनी वर्त्तमान संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी के लिए काफी वैध, उपयुक्त, वास्तविक एवं विश्वसनीय मापनी है।

(c) व्यक्तिगत सूचना प्रपत्र : उत्तरदाताओं के संबंध में व्यक्तिगत जानकारी के लिए स्वयं द्वारा तैयार किए गए व्यक्गित–सूचना–प्रपत्र का उपयोग किया गया।

प्रदत्त–संग्रह की प्रक्रिया : शोध शीर्षक से संबंधित संगत रूप से प्रदत्त संग्रह के लिए अच्छे तरीके से कार्य योजना बनाई गई। बनाई गई योजना के अनुसार शोधार्थी द्वारा अध्ययन क्षेत्र का भ्रमण किया गया। तत्पश्चात् लक्षित उत्तरदाताओं की सूची बनाते हुए उनसे मिलने का प्रयोजन बताया गया। उत्तरदाताओं को इस बात का विश्वास दिलाया गया कि उनके द्वारा दी गई सूचनाओं को गुप्त रखा जाएगा। उसके बाद उत्तरदाताओं के साथ आपसी सहमति के आधार पर निर्धारित किए गए तिथि, स्थान एवं समय पर अल्पसमूह बनाकर सभी निर्धारित मापनियों को उत्तरदाताओं के उपर प्रशासित करते हुए प्रदत्त संग्रह का कार्य पूर्ण किया गया। आवश्यक सहयोग के लिए सभी उत्तरदाताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

प्रदत्तों का विश्लेषण : संग्रहित किए गए सभी प्रदत्तों को सांख्यिकीय विश्लेषण पद्धति के आधार पर विश्लेषित करते हुए परिणाम तैयार किया गया।

परिणाम : सारणी संख्या–(i)

उत्तरदाताओं के अहं केन्द्रिकता की विशेषता पर पूर्वाग्रह केप्रभाव का परिणाम

समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मानक त्रुटि	टी–मूल्य	सार्थकता का स्तर	स्वतंत्रता का अंश
पूर्वाग्रह ग्रसित उत्तरदाताएँ	150	23.25	4.18	0.34	6.81	<.01	298
पूर्वाग्रह रहित उत्तरदाताएँ	150	20.12	3.77	0.30			

सारणी संख्या–(ii) : उत्तरदाताओं के अलगाववादी प्रवृत्ति पर पूर्वाग्रह के प्रभाव का परिणाम

समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मानक त्रुटि	टी–मूल्य	सार्थकता का स्तर	स्वतंत्रता का अंश
पूर्वाग्रह ग्रसित उत्तरदाताएँ	150	25.67	5.27	0.43	4.99	<.01	298
पूर्वाग्रह रहित उत्तरदाताएँ	150	22.89	4.33	0.35			

सारणी संख्या–(iii)

पूर्वाग्रह ग्रसित एवं पूर्वाग्रह रहित उत्तरदाताओं के अभिव्यक्ति की विशेषता का तुलनात्मक परिणाम

समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मानक त्रुटि	टी–मूल्य	सार्थकता का स्तर	स्वतंत्रता का अंश
पूर्वाग्रह ग्रसित उत्तरदाताएँ	150	36.74	5.84	0.47	4.92	<.01	298
पूर्वाग्रह रहित उत्तरदाताएँ	150	33.84	4.22	0.34			

सारणी संख्या–(iv)

उत्तरदाताओं के सांवेगिक अस्थिरता की विशेषता पर पूर्वाग्रह के प्रभाव का परिणाम

समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मानक त्रुटि	टी–मूल्य	सार्थकता का स्तर	स्वतंत्रता का अंश
पूर्वाग्रह ग्रसित उत्तरदाताएँ	150	27.69	6.84	0.55	2.74	<.01	298
पूर्वाग्रह रहित उत्तरदाताएँ	150	25.84	4.64	0.37			

सारणी संख्या–(v)

उत्तरदाताओं के सामाजिक अवज्ञा संबंधी अवधारणा पर पूर्वाग्रह के प्रभाव का परिणाम

समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मानक त्रुटि	टी–मूल्य	सार्थकता का स्तर	स्वतंत्रता का अंश
पूर्वाग्रह ग्रसित उत्तरदाताएँ	150	32.76	7.34	0.59	3.29	<.01	298
पूर्वाग्रह रहित उत्तरदाताएँ	150	30.22	5.96	0.48			

सारणी संख्या–(vi)

उत्तरदाताओं के मानसिक स्वास्थ्य पर पूर्वाग्रह के प्रभाव का परिणाम

समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मानक त्रुटि	टी–मूल्य	सार्थकता का स्तर	स्वतंत्रता का अंश
पूर्वाग्रह ग्रसित उत्तरदाताएँ	150	135.72	15.32	1.25	7.69	<.01	298
पूर्वाग्रह रहित उत्तरदाताएँ	150	122.83	13.64	1.11			

व्याख्या : सारणी संख्या (i) के अवलोकन से स्पष्ट है कि उत्तरदाताओं के अहं केन्द्रिकता की विशेषता पर उसके पूर्वाग्रह की मनोवृत्ति का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। क्योंकि पूर्वाग्रह की भावना वाले उत्तरदाताओं ने अहं–केन्द्रिकता की माप पर अधिक माध्य (23.25) एवं मानक विचलन (4.18) प्राप्त किया है। जबकि पूर्वाग्रह रहित उत्तरदाताओं ने अहं–केन्द्रिकता की माप पर अपेक्षाकृत कम माध्य (20.12) एवं मानक विचलन (3.77) प्राप्त किया है। दोनों समूहों के उत्तरदाताओं के द्वारा प्राप्त माध्यों एवं मानक–विचलनों के आधार पर परिकलित टी–मूल्य (6.81) विश्वास के <.01 स्तर पर सार्थक भी पाया गया है। अतः इस परिणाम के आधार पर कहा जा सकता है कि अहं–केन्द्रिकता की विशेषता पूर्वाग्रह की भावना से सकारात्मक रूप से प्रभावित होती है।

सारणी संख्या (ii) के अवलोकन से स्पष्ट है कि पूर्वाग्रह की भावना उत्तरदाताओं में अलगाव की भावना को बढ़ाती है, क्योंकि पूर्वाग्रह की भावना वाले उत्तरदाताओं ने अलगाव की माप पर पूर्वाग्रहरहित उत्तरदाताओं की अपेक्षा अधिक माध्य (25.67) एवं मानक विचलन (5.27) प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त परिकलित टी–मूल्य (4.99) भी विश्वास के <.01 स्तर पर सार्थक पाया गया है। अतः इस परिणाम के आधार पर कहा जा सकता है कि पूर्वाग्रह की भावना व्यक्तियों में अलगाव की भावना को बढ़ाती है।

सारणी संख्या (iii) में प्रस्तुत किए गए परिणाम के आधार पर स्पष्ट है कि पूर्वाग्रह की धारणा व्यक्ति में अभिव्यक्ति के गुण को कम करती है, क्योंकि पूर्वाग्रह से ग्रसित उत्तरदाताओं ने अभिव्यक्ति की भावना की माप पर अधिक माध्य (36.74) एवं मानक विचलन (5.84) प्राप्त किया है। जबकि पूर्वाग्रह रहित उत्तरदाताओं ने अभिव्यक्ति की माप पर कम माध्य (33.84) एवं मानक–विचलन (4.22) प्राप्त किया है। अतः यह परिणाम स्पष्ट रूप से जानकारी देता है कि पूर्वाग्रह की भावना से व्यक्ति की अभिव्यक्ति की विशेषता में ह्रास होता है।

सारणी संख्या (iv) में उपस्थापित किए गए परिणाम के आधार पर स्पष्ट है कि व्यक्ति की सांवेगिक स्थिरता की विशेषता उसकी पूर्वाग्रह आधारित मनोवृत्ति से कम होती है जबकि पूर्वाग्रह रहित मनोवृत्ति से सांवेगिक स्थिरता सही होती है। इस संबंध में पूर्वाग्रह की अवधारणा की भावना वाले उत्तरदाताओं ने सांवेगिक–विशेषता की माप पर पूर्वाग्रहरहित उत्तरदाताओं की अपेक्षा अधिक माध्य (27.69) एवं मानक विचलन (6.84) प्राप्त किया है। साथ हीं परिकलित टी–मूल्य भी विश्वास के आवश्यक स्तर पर सार्थक पाया गया है। अतः यह परिणाम व्यक्तियों के सांवेगिक विशेषता पर पूर्वाग्रह के नकारात्मक प्रभाव को स्पष्टतः दर्शाता है।

सारणी संख्या (v) के अवलोकन से जानकारी मिलती है कि पूर्वाग्रह की अवधारणा व्यक्तियों में सामाजिक अवज्ञता की भावना को बढ़ाती है, जिससे व्यक्ति अपने समाज में व्यक्तित्व आधारित विकृति का प्रदर्शन करने लगता है। इस संदर्भ में परिकलित टी–मूल्य (3.29) विश्वास के <.01 स्तर पर सार्थक भी पाया गया है।

सारणी संख्या (vi) में प्रदर्शित किए परिणाम के आधार पर स्पष्ट है कि व्यक्तियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पूर्वाग्रह की अवधारणा का नकारात्मक एवं सार्थक प्रभाव पड़ता है। इस संबंध में परिकलित टी–मूल्य (7.69) विश्वास के आवश्यक स्तर पर सार्थक भी पाया गया है। इस परिणाम के आलोक में कहा जा सकता है कि पूर्वाग्रह की भावना से व्यक्ति में मानसिक स्वास्थ्य की विशेषताएँ नकारात्मक रूप से प्रभावित होती है।

निष्कर्ष : प्रस्तुत शोध में प्राप्त परिणाम के आधार पर कहा जा सकता है कि पूर्वाग्रह की अवधारणा व्यक्ति में अहं केन्द्रिकता एवं अलगाव की भावना को बढ़ाती है, जबकि अभिव्यक्ति की भावना को कम करती है।

इसके अलावे पूर्वाग्रह की भावना व्यक्ति में सांवेगिक अस्थिरता को बढ़ाती है और समाज में प्रचलित प्रति–सामाजिक व्यवहार के प्रति पालन की प्रवृत्ति को कम करती है। समेकित रूप से इस शोध का निष्कर्ष है कि पूर्वाग्रह की अवधारणा जब व्यक्ति में बढ़ती है, तो मानसिक स्वास्थ्य का स्तर कमजोर होता है।

शोध की सीमाएँ : इस शोध में कुछ कमियों के होने से इंकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि प्रदत्तों के संग्रहण में क्षेत्र–भ्रमण की समस्या, तकनीकी सुविधाओं की कमी एवं अन्य संबंधित समस्याओं के प्रविष्टि होना स्वाभाविक है।

परामर्शन : इस शोध में प्राप्त परिणामों के आधार पर परामर्शन के रूप में कहा जा सकता है कि पूर्वाग्रह मानवीय सामाजिक वातावरण में एक ऐसी अवधारणा है, जो मानसिक स्वास्थ्य के साथ–साथ अन्य मनोवैज्ञानिक अवधारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित होती है। अतः पूर्वाग्रह की अवधारणा को कम करने के लिए व्यापक स्तर पर प्रतिदर्श बनाकर शोध कार्य करने की आवश्यकता है।

संदर्भ–सूचीः

1. **अहमद, एस० (2017) :** मुस्लिम विरोधी पूर्वधारणा और समाचार पत्र, फिल्म एवं जनसंचार माध्यम, *संचार विज्ञान आधारित ऐशियन पत्रिका* 27(5), 536–553.
2. **जानी ए०, रविशंकर एस०, कुमार एन०, निमिता जे०, शाह, एस० एवं परी ए० (2011) :** भारत मे मानसिक बीमारी की देखरेख को प्रभावित करने वाले कारक, *जन स्वास्थ्य आधारित शोध पत्रिका,* 43(2), 10–16
3. **पाल, जी०सी० (2024) :** समाज–मनोवैज्ञानिक संरचना के रूप में जाति की अवधारणा, *सामाजिक बहिष्करण आधारित वैश्विक पत्रिका,* 5(2), 121–142.
4. **फेज, के० एवं क्रोह एम० (2011) :** अदृश्य पूर्वाग्रह : पूर्वाग्रही कथन पर निर्धारात्मक प्रभाव, *सामाजिक और राजनीतिक मनोविज्ञान आधारित पत्रिका,* 9(1), 187–206.
5. **शाही, एस० एन० (2024) :** व्यक्तियों में पूर्वाग्रह एवं मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन, *मानसिक स्वास्थ्य आधारित शोध पत्रिका,* 14(5), 214–221.
6. **सिद्दीकी, जेड० (2011) :** जाति–पूर्वाग्रह आधारित विभेदीकरण, *श्रम अर्थशास्त्र*
7. *आधारित पत्रिका,* 18(1), 146–149.
8. **सुरेश, के० एवं अहमद, डी०ए० (2025) :** उच्च शिक्षा की तैयारी करनेवाले युवा व्यस्कों के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन, *मनोचिकित्सा आधारित ऐशियन पत्रिका,* वॉल्युम–106.
9. **हंग, एच० (2023) :** मानवीय पूर्वाग्रह प्रतिरोधात्मक क्यों होता है : एक भविष्यात्मक विश्लेषण, *ज्ञान, संस्कृति एवं नीति आधारित पत्रिका,* 37(6), 779–797.
10. **हॉफ, ए० (2019) :** उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों के आत्म–विश्वास पर सामाजिक संचार माध्यमों के प्रयोग का प्रभाव, *मानवीय सेवा में कनीकी आधारित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,* 37(4), 287–298.
11. **हेलिलसे, टी० (2024) :** आत्म–विश्वास के महत्त्व का अध्ययन, इतिहास और विचार आधारित शैक्षिक पत्रिका, 11(5), 2975–2989.

•